सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

न्यायालय : न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अति0 जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) श्रीगंगानगर
पीठासीन अधिकारी : नखतदान बारहठ, आर.ए.एस.
न्याय निर्णयन आवेदन सं0 22/2018

श्री विनोद कुमार शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यलय अभिहित अधिकारी, (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीगंगानगर

बनाम

1. **पूरनचन्द अरोडा पुत्र नानकचन्द निवासी वार्ड नं.10, मकान नं. एच–32, श्रीविजयनगर तहसील श्रीविजयनगर जिला श्रीगंगानगर**
   मै0 रामलाल खजानचन्द, शॉप नं.12, धानमण्डी श्रीविजयनगर जिला श्रीगंगानगर

अभियुक्त

अपराध अ0 धारा 26 उपधारा 2(ii)खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011

निर्णय **दिनांक : 14.03.2018**

सक्षेंप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि श्री विनोद कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी, दिनांक 27.10.2016 को कार्यालय अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीगंगानगर का कार्य सम्पादन कर रहे है। राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित गजट नोटिफिकेशन के अनुसार श्री विनोद कुमार शर्मा को खाद्य सरुक्षा अधिकारी, नियुक्त किया गया है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक(जन स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राजस्थान जयपुर के आदेश दिनांक 28.09.2016 के अनुसार उन्हें कार्य क्षेत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीगंगानगर आवंटित किया गया है। श्रीगंगानगर कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र उनके कार्यक्षेत्र में बताये है।

श्री विनोद कुमार शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 08.04.2017 को दोपहर 03.30 पी.एम.पर फर्म **मै0 रामलाल खजानचन्द, शॉप नं.12, धानमण्डी श्रीविजयनगर जिला श्रीगंगानगर** पहुंचा एवं उपस्थित व्यक्ति को अपना परिचय दिया और परिचय लिया। वहां फर्म मालिक **पूरनचन्द अरोडा पुत्र नानकचन्द निवासी वार्ड नं.10, मकान नं. एच–32, श्रीविजयनगर तहसील श्रीविजयनगर जिला श्रीगंगानगर** खाद्य कारोबारकर्त्ता एवं विक्रेता की हैसियत से मौजूद थे एवं आम जनता को **Sharbat (Niharika)** आदि विकय कर रहे थे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ **Sharbat (Niharika)** के अमानक स्तर का शक होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत, जांच हेतु नमूना लेने की इच्छा जाहिर की ,दुकान में अलमारी की रैक में बिक्री हेतु मौजूद **Sharbat (Niharika) 12X750** ML पैक्ड बोतलों में से जांच हेतु **4X750** ML पैक्ड बोतले **Sharbat (Niharika)** खरीदी। **Sharbat (Niharika)** की कीमत 400/–रूपये अदा किये एवं रसीद तैयार की, फार्म संख्या 5ए तैयार किया, खाद्य कारोबारकर्त्ता, गवाहों के हस्ताक्षर करवायें एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने भी हस्ताक्षर किये। फार्म नं 05 की एक प्रति खाद्य कारोबारकर्त्ता को देकर रसीद प्राप्त की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खाद्य कारोबारकर्त्ता एवं गवाहों को चार नमूना सूखे एवं खाली बोतलो को दिखाया, लेबल पर कोड एवं सीरियल नम्बर, दिनांक, स्थान खाद्य पदार्थ का नाम अंकित कर उस पर खाद्य करोबारकर्त्ता, गवाहों के हस्ताक्षर करवायें एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने भी हस्ताक्षर किये। तत्पश्चात् खरीदशुदा **Sharbat (Niharika)** को चारो

अति. जिला कलक्टर (प्रशासन)
श्रीगंगानगर

नमूना बोतलो को बराबर–बराबर भरा, प्रत्येक बोतल में 40–40 बूंद फार्मलीन डाली, प्रत्येक नमूना बोतलो पर एक एक लेबल गोंद से चिपकाया चारो नमूना बोतलो को कोर्क से एयरटाईट बंद किया चारों नमूना भागों को अलग–अलग खाकी कागज में लपेट कर प्रत्येक भाग पर डी. ओ. कम सी.एम.एच.ओ. श्रीगंगानगर की हस्ताक्षयुक्त पेपर स्लिप के–786 को नियमानुसार नीचे से ऊपर गोंद से चिपकाया, प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपड़ी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर खाद्य कारोबारकर्त्ता के हस्ताक्षर व गवाहों के हस्ताक्षर करवाएं एवं स्वयं ने हस्ताक्षर किये, चारों नमूना भागों को अपने जाप्ते में लिया। मौका फर्द रिपोर्ट तैयार की, जिसे खाद्य कारोबारकर्त्ता पूरनचन्द अरोडा ने पढकर, समझकर हस्ताक्षर किये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फार्म नं 06 की आठ प्रतियां तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिसमें नमूना सील मोहर किया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 06 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर किया। अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) ने नमूने का एक भाग एवं फार्म 6 का एक सील बन्द लिफाफा खाद्य विश्लेषक, जयपुर को जमा करवाकर रसीद प्राप्त की एवं शेष तीन सील बन्द नमूना भाग मय फार्म 6 का सील बन्द लिफाफा डी.ओ. कम सी.एम.एच. ओ. श्रीगंगानगर को जमा करवाकर रसीद प्राप्त की।

स्टेट सैन्ट्रल पब्लिक हैल्थ लैबोरेटरी, जयपुर (राजस्थान) द्वारा जारी जांच रिपोर्ट क्रमांकः एलएस/2300/एक्ट/2017/2372 दिनांक 01.11.2017 प्राप्त हुई, जिसके अनुसार खाद्य नमूना के–820 **Sharbat (Niharika) अमानक स्तर (Misbranded Food)** होना पाया गया। इस पर अभिहीत अधिकारी कम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीगंगानगर ने प्रकरण में अभियुक्त **राकेश कुमार पुत्र मनीराम तंवर निवासी–वी.पी.ओ.–5 ई छोटी, तहसील व जिला श्रीगंगानगर** द्वारा अमानक स्तर **Sharbat (Niharika)** का विक्रय किये जाने को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 26 की उप धारा 2(ii) के अन्तर्गत न्याय निर्णयन आवेदन दिनांक 23.02.2018 को प्रस्तुत किया गया।

परिवाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया। अभियुक्त को तलब किया गया। अभियुक्त को परिवाद की प्रति उपलब्ध कराई गई।

अभियुक्त ने अपने जवाब में कथन किया है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने जिस **Sharbat (Niharika)** का नमूना जांच हेतु लिया था वह जांच रिपोर्ट के अनुसार **(Misbranded Food)** पाया गया है। उसका बिल मेरे पास नहीं है, भविष्य में इस प्रकार के खाद्य प्रदार्थो का विकय नहीं करूंगा। इसमें मैं मेरी गलती स्वीकार करता हूँ। अतः लोक अदालत की भावना से उक्त प्रकरण में कम से कम जुर्माना लगाया जाकर इस प्रकरण को समाप्त करने की कृप्या करें।

परिवाद पर दोनों पक्षों को सुना गया।

राज पैरोकार ने अपनी बहस में बताया कि अभियुक्त से लिया गया **Sharbat (Niharika)** का सैम्पल के–786 जांच रिपोर्ट संख्याः एलएस/761/एक्ट/2017/828 दिनांक 24.04.2017 द्वारा **(Misbranded Food)** होना पाया गया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार बिन्दु संख्या 03– **(Misbranded Food)** = Negative पाया गया जबकि As per Regulaation N0. 3.1.3 of FSS [Food Products Standards and Food Additive] Regulations.2011. होना चाहिए था। अतः अभियुक्त के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 26 की उप धारा 2 (ii) उल्लंघन तथा धारा 52 के तहत जुर्मान योग्य अपराध साबित होता है।

अभियुक्त की ओर से प्रस्तुत जवाब में वर्णित तथ्यों को ही बहस में दोहराते हुए कहा है कि ख्खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने जिस **Sharbat (Niharika)** का नमूना जांच हेतु लिया था वह

अति. जिला कलक्टर (प्रशासन)
श्रीगंगानगर

जांच रिपोर्ट के अनुसार **(Misbranded Food)** पाया गया है। उसका बिल मेरे पास नहीं है, भविष्य में इस प्रकार के खाद्य प्रदार्थो का विक्रय नहीं करूंगा। इसमें मैं मेरी गलती स्वीकार करता हूँ। अतः लोक अदालत की भावना से उक्त प्रकरण में कम से कम जुर्माना लगाया जाकर इस प्रकरण को समाप्त करने की कृप्या करें।

बहस पर मनन किया गया । पत्रावली का अवलोकन किया गया।

इस प्रकार अभियुक्त से लिया गया Sample **Sharbat (Niharika)** " bearing Code No. and Sr. No. K-786 of Designated Officer cum The Chief Medical & Health Officer, Sriganganagar is **(Misbranded Food)** Under Section 3[1][zx] of Food Safety and Standards Act , 2006 due to Presence of Test for starch. Regulation 2011. जॉच रिपोर्ट पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है।

फलस्वरूप अभियुक्त को एफएसएस एक्ट 2006 की धारा 52 के तहत जुर्माने से दण्डित किये जाने के अन्तर्गत राशि रूपये 2000–00 (अखरे दो हजार मात्र) के आर्थिक दण्ड से दण्डित किया जाता है।

अभियुक्त को यह निर्देश दिये जाते है कि भविष्य में **Sharbat (Niharika)** के लिए उच्च गुणवत्ता के घटकों का इस्तेमाल करें, ताकि ऐसे खाद्य पदार्थों से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इन आदेशों की पालना सख्ती से की जावे। निर्णय की प्रति मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भेजी जावे।

निर्णय आज दिनांक 14.03.2018 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(नखतदान बारहठ)
न्याय निर्णायक अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रशा0)
श्रीगंगानगर।